WITH HOUSE
GOVERNMENT OF INDIA
CIEFIU SHIPERU, WHENTI I
NATIONAL LIBRARY, CALCUITAN

UNITED HOUSE
Class No. 182JC
SHIPE HOUSE
Book No. 1851.6
TTo 90/ N. L. 38.

MGIPC—94—59 LNL/64—1-11-69-400,000.

THE ISH E HE TO TO A POST OFF गरशान्तास्या स्वत्वन्त्रव्यास्य हिल्ला मना ৰণি প্ৰতিনিয়ত কল্মৈ বুজুলমং কলঃ ক্মাৰাজ্ত দিম মৰ্গতিঃ কিম বিনিনা নমত কমবো বিধি রশি নরেতা প্রত্যতা গ্র এখনে থিকাম করি যত দেবগলে । যত নিমি কশতা বাবনিক मक। तद्या छत्व कि विभाव विभि कहिएता श्रेषाने शिका कन विदन को व नाया नाहि जान । सदमदक निवादिता तर सं कदवंत নত্ত। শুভাগুৰ কল্মত কল্পের স্থায়ত।। কি করিবে বিলিপ্টা क्रियरक्त (मर्का । अंश्रीम कृत्य ज शीव बाहरू क्रामक क्षा कारा সংৰাপ নভোতি করং বিদ্যাং কবিলাং আৰু নারিকা প্রতিম कृत्य विनासवीयः। यहबन मानि मञ्चल विरास विद्यक्ति ग्रीजन प अकृति मुन्तव अवविष्य ॥ २॥ ज वन महिष्य स्वता न न माति जित्तर पूर्व सार्णंड कोड्न व विवृद्धानिक करिन व ৰ প্ৰতি নামানিশতৰ পূৰ্ণি কৰিবল নিমি ভাল-मार्थकाननिवन नियंत्राविक्तांश हा एक उन्त्रप्रक भीव

পি ধৰাতে কাৰতো নি প হ'় ম প্ৰহানি व कविषा विषादिनिय मुक्तिगात । स्रोद्व बम्क बैक में कदा स विदात १। नानाविथ উপराशन विवन इहेरछ । त्यथन कालिए খার ভপষা। করিতে। আমাদের দেখন নাছিল কোনকালে। ৰশন নাহিক কিছু পাবং কলে।। এই যে নি তয়, আসা না পা ब्रि रडिव्हिट १ र्डिविधि विकिथिट म स्वाटिय डोट्सिटेड अ খনাবোং গিরি কাদরে দর ভ্রি জ্যোতিঃ শরত ব্যাহতা মান. কাৰাজনৰ পিৰজিপাটনা নিগোৱা নগোৱিত : । গোলকত নমো ब्रायानविक श्रमीये वानिक्रि को को विभाग दर्शन मेडे मुका मांस लडन क्वीराखादि भी ही स्कीर की हासी। देशी । सर्वेष्ठ गक्तरत वनि शाहकति मन । धना ति शे हार्य स षि काम्रने । ज्यानमानका अट्ड निवन वि नरक । निर्वत्य विनिश् क्षांत्र नान करत नरक गिविधि विश्विष्ट भोड़ी मार्टि कतिलन मात्रा भाव कर्त्रण करून याद्य सन्। । वर्षात्रमे व द्रविष्ठ विकार লয়োৰর। তটের নিকট কেনি কানগ নদার । ভাগতে রতিত अया क्या मदमाहन । बंब ह हार्बिट्ड बार्ड दान वक्तिये ্ নিশিক্ত প্রারম্ভা কুপুর্বির অর্থবাধি বিধ রং গাইও বিট व वष्ट मान्य का बाहिन्छ मी वे देशामी। वार्याद परिवर्ति मिति म्हारिक विश्वतः बहु हुए। भा दिनि वयग्रेगामि स्पेति । के ৰুৱ। বছৰ শোলৰ বাই बडाएड व्यविहा व

निक्षण मृत्र ॥ श्री के विकास के वितास के विकास के विकास

न्दर्भ खेरेण बाणमा जांश करत किलोतरम् । किर्मेश कि नाम वरत केठ्य वांगमा। वांगमां जन्दर्भ बहे बर्छत बाठमा ॥ अव्यक्तिकाशांशि विष्ठिणलर बाक्षी स्वरूप नवीरम् हार्ण क्यांचान्छ वांगम् नद्यां किलालकः ॥ विकानरकारणजां न वर मिश्विणकां जांगि किलानसम्भागकां बाबक्र वर्षस्मारमार मिश्विण

নালাবি পতল বৈদ্যে দীপের স্বন্ধের ব্যবহার বাবের বিজ কংল্য স্থামত গেলে ৪ বালাবির জোতেতেপরাল চালেলার আমল কেনে দোতে মলি জেন (মারা ।। পাপের উৎপান করে বে ছার বাসনা।। ভারে নাহি ভাজিলার বিধির বস্থান

কাৰণ সক্ষমায়া গ্ৰেচিতস্থা তাত্তণ স্থায়োগত বো পুৰস্ক গাঁতাবাত তলোন কেলনো তপ্তণ তথা। ধনাছৰ গ স্থানিশেশ নকপুনবিজ্ঞোঃ পদ্ধ লাখতঃ ভত্তৎ ক্ষমান্ত হ মুনিতি ফৈতি ক্ষালবঞ্চিত। ৮ শাহি শতক ।

শাভি পাইনাই ধন। শিচভাবে সমস্পী গণ তেজে গড় সুন্ধ নাহি পাইনাই ধন। শিচভাবে সমস্পী গণ তেজে গড় সুন্ধ না পারে পতোব মোরা সুখেতে বিস্থা। সুখেতে বিন্ধা।

বিকুপ্ত চিডাক্তর যাতক সদ্যাধা । মোরা আন্ত কিন্তা করি বঞ্জি দিবা নিশি।। যে তপ করিয়া সুনিখন গাড়িক কলি । যো রা করি নেই তপ হইলাম বিক্ষালা।।

ক্ত্মণাত্র বিভাগিকাৎ কতিশর প্রামেদ দিনাং একান্ধতে । বিট্যালিগাতৈরপ্ততাং ক্ষোমি ভূমতে কিল ৷ বিহা-ব্যাহণি বসং কিল বিত্র জন্তাং স্বর্গ হিতি বাপদা নীলতং পরিচ্যারা । জনিভোগিরেসনারারণ এং

কভ গুলি গ্রীনেতে আছিল হুঃখি প্রজা । লব্ধ বিভিনি লাভে হুইলভারাভারা । হুস্টুইভিকরেতারা কারে নাছিমানে ক্রানাহ্যা ভাষরা নামালি মারায়নে ।।

লাথে উপুক্রবোর্ডে বিজ্পতা মেকাবিশে তেতলা সেবে। লাপদলাদান্তরি সূত্রে নারায়তে তিন্তা । যথককিং পূক্ষা মং কতিপর প্রতিষশু মূপাথ দঃ পেবারৈ মূপরামতে পরমতো মূলা বরাকা ময়ত ৷৷ ১০

ইনুষ পূক্ষোত্তম জিলগ্দীবর। বেরিলৈ খুণ্য ভারে ছামোনর । এমন ইনারায়ণম্যাল থাকিতে। নাভাবিয়ে বিশ্বনার মনেতে।। যে কোন প্রধাবন অপাধন লাভ মূল্যের রিজনৈত্বত চিন্তা মনিশালার ১১ চন চনাল তব ভোগ বাস্তাতে অনম হারাইলা বিনায় কাঁচ মূলে ডিনতা মনিতর বেচিলা ৪০০ চন বিলাম বিনায় কাল্যের

ना वार्त्र का का भग्न न जामन के बागू कर जा रवाना ना ना ना॰ भगक खुना कृत ज्ञाक मुखा क्षित्र अभिमनः गरमात्राम वार्णाम कामिया॰ वृत्तिः कृषा के मेरा शानर बागा दार खात्र । कि महक्त महित्र मुमानिक के बेर ११ ५२ वर्ण की कि जा है।

जिल्ली कार्य विधि नृष्टिमां भी ने क्षेत्र कार्य कार्य के किन भाउत कार्य १ कार्या कार्य नार्थि मार्थि कार्य कार्य १ जनमा जनसम्बद्ध कार्य कार्य कार्य मार्थि मार्थि कार्य कार्य कार्य । मार्थाक क्षेत्र कार्य कार्य

্ৰত্তিক নৃথিৱিকালে নগৰিসাংগ্ৰহণ চায়ত ম্যা বৈলাত সমাসিরঃ শ্লোশি নপুরঃ প্রতাশ্লোকার দি। কালে কাল জ নিখাবনি কৃথত নিমানি নিমাগ্লেতিয়ে ব্লিক্তরক কর ভবতা কিনাম ত্ৰাভাগ্ন ১৩

्रिनटः चत्रका चार्ति वर्षि ठवं वार्टने । किनीय वर्षम् । वा दुवानचीरम् ॥ क्ष्रीट्सटन मुचाएठ मृद्यम् उन चीठ । दुव्याद्य वर्षाट दुव्याठ निया योजने। यसराम एष स्वीम পাতিলতক।।

বা বহু মিনতি। ধুন নাতি যাগ তাৱে নাতি কর অতি । অত্তে
থাকি গ্রহাক্য শুনিতে বা হয়। কেহু ভোষা কি তপ করিলে

কলে বানবু হার্রনাভদের জীই ভবত সুলভেন ট বিশ্বতি থানবুন হৈন্যে তেকিল পলনেকল সুধির ১১৪।

यत्म यदा मृशमय क्योत मृत्य ।, मा क्दत । बीमका द्यांन यनवान त्वरंथ ॥ वह त्यादा काद्ध कि तमित शक्त काकी । [यनो शार्व क्विकाकती त्यादा कि मृत्यकी ।

শদাবা পূৰ্যের রক্ষিত্রীয়ন ছিলো বেঘনা মাত্র ক্ষ্য চিহপার• পরি ভবো বাচঞাতি সংসারিক । পদাত্তি বিয়ৎ দি গৌরব অরারিক্কার কেলিছলী মান্দান মনী করে। কর হাগ্ল্ছ গর্মচ্যুতিঃ ॥ ৯৫

ৰাচঞা নামেতে এক বেহুলা মহতী। পরাত্তর করে, আর নাম তেতি অতি । লানিতে বাচঞা তাৰ কহেন লিবুল।

नाम द्यार जाउ ॥ ना नुद्धः बाह्नमा चन्न वदम्न नालपुनः । भःनाति जीदनद्व दयन लाक्ष्य असम् ॥ यनिद्वतिनगुद्धाः स्व बाह्नमा भागवदन्न । जनाक्ष्म सङ्गीदन त्योगत मानकदन्न ॥ योकात ज्याति । जादक कन्नद्व विकास ॥ अस्ति क्षाप्य विकास जनीयोगे ॥

वस्तिय विश्वात श्रीक त्यदेवन क्रिया श्रीक शर्म याच्या नात्मा वात्म वस्तिय विश्वात श्रीक त्यदेवन क्रिया श्रीक शर्म याच्या नीत्मन स्कायन ॥

কণভাষী প্ৰতিঃকত বসতনোধংগনীক কিবৰ্থ প্ৰাধানাৰ বিভি মনু বিশ্বাৰ্ডঃ কথম্পিধনৈ মাচ্নাল পতি বনুপরি উ কর্তন্ত্ৰ ফলং নিকারোক্তর প্ৰভাগন গ্ৰহতভ্যজনিখন। क्र काई कि काई (अ द्वाधा अ क्रिका । भनी ह निकटी यहि कि काइ (अ शृह ॥ काशामां त्व कि भागों । व व्यव शाव । व शिक्ष कर्म वि श्राद्य वाकित ॥ व्यवतात क्रिका व्यव दह मातिष् भाव वेश क्रम व वर्ष व्यवस्था अवद्य विकास शाव । व व वर्ष नाम । शाक्ष विकास क्रम वैद्य भगान ॥

প্রাণানাও বত কিং বুরে কি ঠনতাও ইতরেবা 'লাবীক্তা লাক বিভিন্ন ক্ষাতী মেবছিল লে লাত সাবচোডিঃ নবও । পারা ' লঙ পুলঃ রাজি পানি বিশিত হৈলেয়ার্গপ মেবা মধ্যে মাধ্যা পারিত ততিয়ােগ বিশূরেরে প্রাথমে সর্বশিষ্ক। ১৭

शाद्यत्र को विना का कि कोइन होता याहका गाद्यात नदनानार नार्ष । जात्र । जा छाटा जादका करत करि श्वनका व का निद्धारण जात्र । का का नो का नदि जात्र । वावका वक्ष मूख नगाद विक्ति ।। बाज होनी का नार्ष यत्र नथा कि ॥ वक्ष्य थ धान्यकि ना स्टना नावित्र । कहना विदेश श्वाद नाहत व्यक्षित्र ॥ १ जात्र विक्रित शाक्षित । का निवाद विविद्या विक्रित ।

প্রপার বারিদম এাথের লাখির। কক্স কি বাকিন্সাছে মেলনা ক বিয়া। লক্ষা তর ধর্ম কর্ম গেল মূর ।। বীবার কিমিল যত গর্ম হইস তুর ।। যতকিলি-খেনে মগুগুনির কাছে প্রেয়া ভিক্ষাকরী লাম ছার প্রাণের লাগিয়া।

बारकारमगाः दोजगरेक मि मछन्दगा भाठक मि ॥ १४

- विक्र भारीयः व्यक्तिमञ्ज्यः कार्त्वारमः अनुहित् श्रीरताः

শাতিশতক।।

না বর মিনতি । গুল নাহি মাগ তারে নাহি কর তাত । অরে
থাকি গ্রেবাহ্য গুলিতে না হর। কেং কোমা কি তথ করিলে
বচালয়।।

কালে বান্যু হার্নগুলনের জীই ভবর স্পত্তের। বিশ্বতি
থান্যন বৈন্যং তেকিল পশ্বেকরা স্থির। ১৪।

वर्तन घरत म्गनव छ्वशात मूरच १, ना करता मोनछा दर्गन यनवान त्यत्थ ॥ वह त्यारक छोट्ट कि विनव श्रक्त छोड़ी । विनी शा जिलावती त्यांता कि मुसली १

चनाश न्वरमत तक्षित्रहोसम् हिट्टा त्यमता मान्य कता वित्राप्तः शिव कर्ता गोवकां कि मन्त्राद्धिकः । श्रमाकां कि विव्रव वित्राप्ति चतु विक्रकांत्र स्वित्रकां सोनसून सनी स्थवारि कर्त्र श्रीवृत्त्र वर्षा कृतिक ॥ १८

बावका नार्याक थक (वस्ता मन्छी । शताबन करत जात नम रक्षि जाकि ॥ वानिएक बावका जन्म करन किंदून । नभा ति कोरकत रमन सामा जन्म ॥ धनिएकोम नग्छा स्व बावका गामवरत । जनाकण प्रजीरत राषीयत नामकरत ॥ भोकांत ज्याति । छारन कहरत विवाद । समा क्ला पति नाम नार्या जनीयोते ॥

বছৰিব বিধান প্ৰশ্নীত বৈইজন। ভার গৰ্জ যাত্ৰণা পালেন ভতঃজন ।।

কগন্তাদী প্রতিঃ কঠ বনতনোধ্ধনীক কিবর্থ প্রাথানার ভিতি মুনু বিস্থাকং কথমপিধনৈ নাচএল লকৈ পন্পরি । এ কর্তনান কলং নিকারোকরে পশাধন সম্ভতন্তজিনিখন। ক্ষতি কি কার্বন কোথাও চলেছ। ধনীর নিকটে যাই কি কারনে পূছ ॥ ভালামানে তিক্ষীনাগা বহুধন পাব। ছাপুরী ভরনর রি পরানে বাচিব ॥ আরবার ক্ষেতারেশুন হে নারিদ্র ঘাচঞা লক্ষ্যন বড়ই অনুদ্রা প্রথমে । বিকার পার কিউ হয় নার প্রশাহ ভিকার ধন বিবাসনান।

প্রাধানাত যত কিং বুরে কি ঠনতাত তৈরেবা 'নাবীকৃতা
নাক বিভিন্ন কালি বিদিত বৈন্যাহলি যেবা নহি । নাঝা '
নত পুনঃ ব্রাফি পানি বিদিত বৈন্যাহলি যেবা নহি । মাধ্যা
লাক্ত ভারিয়োগ বিশ্যোর প্রাথ কি কাহব হার । যাহকা বাবের

नदन नारे वाहि । त्र श प्राचाय प्राच्यण करत करि मनसात कार्य विद्यालित नकाना कतिर पात । याज्यम वर्छ मृश्य प्रवाद विभिन्त ॥ नाम रानी जारादक सत्रव नम्बिक ॥ बङ्गूर्य धार्यक्ति ना रक्ता कार्वित । कर्न्य सारेटन धाव नाम्छ प्रकृति ॥

্ৰাত্ৰা শ্ৰমীৰতি জানাৰাও অলিভ বিধিনীপত্ৰ পাম্মাও সভেকিও না অতিবিধিশলিত শিৰেকৈৰ) বলিভও বহিলামানতে দুবিন্তৰ বোহত্তমন্যাৎ বাভিনাকৈ মি জ্ঞাক্ণা পাতক মশি য় ১৮

শিল্পত্র বারিদ্র থানের লাজির। তক্ষা কি বাকিলাছে মেখনা হ বিয়া। লক্ষা তর্মার্থ কর্ম থেবে পুর ।। বীদ্যার জিলাল বত গর্ম হইল চুর ।। যতকিবিত্থেকে মন্তব্নির কাষে প্রেয়া ভিজাকরী লাম ছার প্রানের লাগিয়া।।

বিত্ পারীক কুওলিল চতক কারোবে পদ্ধার প্রারে।

वस्त्रीत वस्त्रीत अभिरेक्टबाँ ज्ञातिस्त्राशीत एव अध्यात । स्वत्र भारत । देशिविदेशी भवगात हे जाबीकः सुक्षी पः वहित्राहि एक जीशनाः

क्नाभा भा सन्। १६

क्रांक्ष्म वीयद वर जकनी मीकी है। बहेरब सदीद रहम क्रिकी जसक्ती है। बहेरूथ कथात्र मैक्टम स्वाद्ध दरण ने रक्ट । सार्थ हैने जबत क्रांटम ॥

TF 1

ভটা মাধ্য লোপং প্রতি বারতী করাবতদ্বদন্তমে লোখান বিল্যাসসমূহা সুমার্থের মনম? ইতাবারকারকারত, চটুল এতসং শুনন্মনলোবরত বাঁত কুয়া শুকুইব প্রতাম প্রমন্ধীঃ, মু ২০

্ অকাশে বিদ্যান বেমন বাশে অন্তর্কারে েড়েমভ ক্ষনীক বুধ বলাপ সংগারে ৮ স্বর্গান্তাজীন দ্রীতা প্রসং করনার ক

যে সৃথ পাইলে বৃঃখ নাপাইবে আর । লোকে এই বজে বৈন পথেরে পড়াই। আমরা দীলাল তারা মনেনা ধেরাই।

ব্যালোদুর্মার 'এ সর্ভি গ্রহটার করাব্যবহতন্যাস্থ্য প্রসার্ম ড্ডির্ম্ন ব্রাভিঃ স্তক্ষেত্যদানত স্বশনাক কলাছার

सीश इसला। महम्मद क्रूक का बीमदा। बाधी हाथ हुन सली रेश वी तम बामना मात्र द्वी कर्ण घटन र रेपर्य करा चटनका व बाद वस करव १ इन्हरू सीश्रदण करान हुने हीता न बीम

वरक्ष करत ११ कलयन्त्रे गोश्रद्धरख्याच्या वश्ची श्रीहा न बीनवी करतात दाकी भातम्भाषाश्च ॥ बमरिक त्राबीरम वर्ष्ट पाकीरक स्म क्षण् १। विभिन्दि ध्रेष्ट स्था कर्म स्मार्क स्था ॥ यथन समार्थ

्री राष्ट्रीत रहत्व हेश्लोक चित्री पड़ी निहाँ व्हासूस शास्त्रह

শাহি শতক।

নিজ ৰেহ স্বারহ বাৰ চজীন্তপট্যপ্রনিব রক্তা হ'ল ভথাপি

निष्णां अव्यक्ति (हरः। २

क्रिय वर्गकरक मक्र कति। छए कात्र क्रिक्टाइयू ॥

্তিফার ভোজন বস ভাস প্রাস্থার প্রাক্তনের এক পেলে। কোটির ভবর ৪ বর পুরা চন কেন্তু কাঁখা দ্বল নার। সাপন

উহর পরিজন পোশভিরি ৷! হায় আমাদের হৈল বিবাচা

নির্দ্ধি । তথাপি বিষয় বাজা নাকিওপল দ্র ।।
ন্ত্রাম্দর সাধ্যদেক শাকিরপি কবিব লক্ষা পরিভোধ: ছত

वाममः श्रीत कार्तिक वाङ्गाणिक म्चंत्रः मण्नः ॥ २० ॥।

अञ्चात्रभगयस्किनिकाकतित्रा छिन्द्रस्क्रियान्ति । व्यक्ति ।

না করে বিয়াদা। কটিন ক্ষতিত কলামন বড় ঘ্রী। শত পত পালকেও নাল্য সভাক।

্লিকেও নাজ্য সভূক। - নিয়েপ্ৰটিউ ভাষণ শতিমপ্ৰতং সঞ্চ সহসাধিপত

লক্ষেশঃ ক্ষিতিপলেডাং - ক্ষিতিপশ্চকে অরভং প্লঃ। তথ্যতা পূলইন্দুড়াং সূত্রপতি বুজাপদং বাঞ্চি বুজা বিষ

শান প্নঃ প্নর্জো আশাবিধি কোণজঃ !!

কুৰকাৰ আপন আপু নিনার কার এ প্রমন্দেশ্বসংস্কৃত্র প্রত লোক শিক্ষা করাই তেন্তেম 1

মরিদু বাসনা করে শতেক ভড়ার। শত পতি বাৈঞে মৃদ্

ব্রজার ।। স ক ভক্ষা বাঞ্চা করে ইজারের পতি। সভ

পতি বাঞ্চা করে চাতে ভূপতি ৷৷ ভূলতি বাসনা করে সদা বো কতি ৷ এই ক্লেণ ৷ যে এতাৰ বাঞ্চাবাড়ে জতি ৷৷ চলেপ বাশনা করে ইজের ইন্দু বু ব রণতি করে ব্যক্তা বুজপথ ভন্ধ। বজাবলে থিফ পদানলা আছি চাটা। এই মণো বাঞ্চার অবধি নগতি পাই ৷৷ এপ্রকার লংমতে বাসনা বেছে পেছে ৷ বল চাই কে বাঞ্চার অহতে পেয়েছে ৷৷

শুড়াও পাত্রং ধাত্রী পত্তি বভিত্তমানে) প্রচর পুরুরং ভূতাবা লোবিম্যকিয়ভীত যাঁতি নদশাং ৷ তথাখন খারানাং কলমপি কিমহাক মূচিভং গনীকারঃ কোলাং রঘঃ বহুহোবেভির তথ্য ৷ ২৫

আপন দেই পরিতা জানে দোক শিক্ষা করাইতেছেন।।
দেশ ভাই এই দেহ শোকের অবার। রেত রক্ত পুরিস এজান
মাত্র সার।। এদেই চাতের বাসা মিথা। এদেই আশা। দেকধার
কত কিনা হইল দুমশা।। শীনের উচিত মাতে এদেই রাখিতে
ছায়া বাজি মাত্র তেবে থেখন মনেতে।।

त्तर्भ (नीनिश्वादः विद्यः श्वितिश्वः भूकाणि (स्विश्वाभः कृत्याः) (स्वाभिष्य भाषाम् क्रानवशः) वर्णः। वर्षः विद्यागाद्य क्षत्र विद्यागाद्य क्षत्य विद्यागाद्य क्षत्य क्षत्

পূলকার কেচকে অনিভা কোর করাইয়া লোক পিছা কাটিকেছেন য

্লোগিত স্থারাধে হর থেকের উৎপক্তি ্ মুভূরে সাগার

সহুহ লোকের গাড়িত ৷ ব্যাবির্মনির মেহ জেলে বাডিঙাল

अवनी क्षेत्रा लक्ष्मा गंगालेल करना ।। ,याश्रात अमृत्ये पूर्व

खीक्त कामना। भूभ ठांड क्षत्र अह भूकात रामना।।

ু কৈতত্ত্তারবিক্ষা ক্রত্থ্রমণু ক্রাজ্যুতে কটাজা: ক্লাপাহ কোমলাতে ক্রক্মদম ধন্ত্ত ত্রাত্রিলাসঃ ইব[া] বিজ্ঞাকোটো প্রকাতিত গলনং মঞ্জভ্জ সমীবং রাগালানা

पिद्धारिक क्षण्याचि महात्यां जाम् कृतांचा । २१

পুনর্মার অভিচারা দের অনিত্র কলিতেছেন।। সবের নত্তক এক পাষ্টার উপারে। প্রনা গুরুছে গিয়ে

ভিতর গর্ভরে। মতের নিকটে দেখি কবি কছে সার । শৃক শালে পরম কহিছে তিরস্কার ৮ মড়ার মন্তকে চেকে কচিছে

পদন । হরে ভোর মূপ পদ্ম কোথার এখন।। কোথা অনরের লথা বিস্তার লোচন। কোথা ভোর এখন কোষণ সংযালন।।

কামের ধন্ক সম সুষুগ কোলায়। কামকে ইজিড করে করে

कांत्र कांग्र श

শুনু ক্ষয় রুচ্পং ষ্মু নিনাং ছলতঃ নগজু নগজ গোলিং স্কৃত্যক পৈনিধেছি চত্ততি চি চত্তিনাক্ষ্য ক্ষিত্যক্ষি অনুবাসন প্রতেশমতন্ত্র চিত্ত বুজ্যানা ন

গ্রহার আপনার ফ্রকে বাবহান করিতে।ছন ।

ক্ষুণ গরে মন ভোরে বলি এক কাষ্য । খাই বপৰিত দাহ। কালাক্ষিত্র ।। নারীর নিকটে বাস কদাহ করলা করে। बाधित भूतभावाक आल एवं होना । कि क्षि बमार्गी किया

ইউক শব্দিত। লকলের মন হরে বিখণ যোগিও।। । । সমালিয়াভাটেজখন পিশিত পিতং তনগিয়া সূত্র লাক।

· কিং পিরতিত সমূসাব্দির । অনেধা ক্রেলানে পর্যাতর্থ তে পশর্ষিকা মহামোহগালাং ক্রিনিত র্মনাত মতবতী ২৯

তে পদারীসকা মহাযোহজানাং ক্রিমন কর্মনাংগ মতনতী ২৯ স্থালোককে ভেয় বৃদ্ধিকরে লোকশিকা করাইতেছে ন ২৮

উত্তখন সাংশ পিতে পূর্ম পোধ করি। পান করে লালযুক্ত সুপের মধুরি।। আবিজন করে পরে করেও রুমন ।। রেঠ রক্ত প্রশাবের মে পথে গম্ন।। মহামোধে অসমত ভাব হল কি:

अपना किल यशि मा अविन कि ।।

ইতি নাথিশনতকৈ পরিভপোপলখনো নামপ্রথমপরিছেন অন মবিমারিভভারতরা সংস্কারো ফাভি রম্মীরে ? অর

শুনঃ পর মার্থ দ্শাং কিমপি সার মনাংগ। ৩০ কোন সাজি এই সংসার ভাসকতে কেল কৈলে অনিভা ।

না করি বিচার করে সংলারসূক্তর। সেই মুখ বলে বে থেথিছে মনোহন ॥ বেই পল্লমার্থ দশী মনেতে ভাতার। কি ভাই ২) ভালো বলে সকলি অসার॥

কোনপানর্থ ক্ষিত্র কপটি ওলুক্ত মেড ফার্ক হাজন বল মরং বিভেত্ত হ ক্ষ্যা দক্ষেত্র করে কজনো জ্যুমানী সংস্থ ক্ষ্যাক্ষ সমূল ওলুক্তাবলোক ৪৩১

এট সংস্থানকে। নন্ধাকলিয়া বোল শিক্ষা সরাইডেছেন ।। ব্যান স্কৃতি নিধু ময়ে তে বেলিটি। বিধ্যা কণাই স্কৃতিক শারিশারক ৷৷

কিস বিভিত্ত মানাৰ বিয়ে কিস সৃষ্টি অন্থ করাছে। এই যে বিজ্ঞাক্ষণ বিভিত্ত গোলাক ॥ গ্লাস্কার ক্ষণালার আহি বা কালার। বলের নশান যেন এপাপ সনসার ॥

শারভাগ দিংশারা মবিনার তবনং পার্ডনং সাহ্যাকাং বোদানা সনিকানাং কীপট পত্রতঃ কোত্রম প্রভাগানাং হ শ্রাঞ্জণ যাত্রছিঃ সূত্রতর বৃহ্টভঃ সক্ষাত্রা করার্ণ জীবপা কেন লোকে বিহুময় অমৃত্ত ধ্রভ্নাশায় স্ভাগ ৫৩২

र्क्ष औरमारकत माना रणाय किंग्डरहैन बवः रलाक

শিক্ষণ দিভেছেন গ্ৰ

শাস্থারের আর র নারি বিবোধ ভবন। ধোরের আশুর নারী মালন পভন। শতেক কপট ফুক নর্জ মায়ানর। অবি ভাস লান নারী বা হয় প্রভায়ে । মায়ার অভিনয় নারী কি কলিব কথা। না পারে ভেজিভেসারে দেব। সূর বাজ: ।। এমন

লাদোকপথ নাদের কারণ। নিষণ্ড অগ্ত কে করিল স্থান চনাপ্রকৃতিগুর অনসা তালিমে ভূষণ ও গাঁগে। ভবি

बंद्रशातकः। अमाजवृतः कियमधं शिंहरेषः प्रकाशना इष्टर्ग निर्वावका ॥ ७७

প্রাং করি কলিচেছেন কান্ত লা ক্ষুত্র প্রতি ॥

जनम मृतायत कार्याण्यक् श्री उपमे मृत्रात सम ६ वि इ शेरह-मार्यापत्र । चलारवर्ण-नमाहिस्मान्य । छण्य । मनद्र हर्

বিপ্ত কাৰত্তা সন ত কৰে রচিত কাৰা প্রথা হতলে। ত শ্সমাত্তি গেয় সেইত্তাসনে ।। লাগিলভক দ

मधीर अवस्य बोधिमा, : नथ° क विकियान भिन्न स्पिन् स् মনাস ভ ব বীদাত বিবিক্তেকবিষয়। জ্যুপং জপরিপ্রভা। ৩৪

मध्यि महीरेत्र महा महान थारक उत्तर्वि बहे विवस्त সুথ বেবে হর আর অফান ঘাঁচলে সকল মিখা। বোধ स्त ।।

गम माता गृह वृद्धि थ'त्वेड वा गर । विवादात भूच वा व থাকেও তাৰ্থ ॥ ব্যন নিছাল জানে লড় হয় খন ৷ কোখায়

বিষয় পরি পরি গৃহ ধন অন।

বহাপত্রং নাসাদশরিত তথা নৈবভবিত। তথানথা। বভাক্ত পরিচয়ে ভত্তন্চয় ৷ অতঃ সংখ্যেগর্টাব্দন বলবড়ী বিয়ো

গেচ সহত্রে কিমাধার প্রেলাকিমবি করবা সম্ভচ স্তুচ্চ য় ৩৫

আপনার দেংকে অনিভাজানে লোক্শিকাদিনোছেন ॥

ছিলনা রদৌনা দেছ সংযোগ প্রাবেতে । অব নাত্র পরি व्य (मरक्त महिरक्षा) पूर ५द प्यासाम मात राम करे (मरु । ऐकांद्र

নিয়োগে দ্ব यা ভানিতে কেছ।।

धम्मजा अपुर्वि चकर्मा है मूर्य मृत्यह मोत्र श्रद्ध । विष्य

কল্ ন বাভা : ধল স্থাবিশুতি কাম্পন-বৈশ্বতি শুক র'চ পরম টে ফাল্ডাদ০ লভাতঃ সংখ্যা সাহপি লমঃ র্কক্ষ প

हिंकि पारिका किना नार नवः ॥ ७७

ापकांत क्षीतर प्रकृत एवं देन्तु कांत्र त्व कुकत्र केन्ग्रम्यान इन्म, जुताइह मृत्य मध्य सर्गंड त्या । मुशाविक्षा थास कि

भि हि इह एक ए मही मुख्यहाएड (पीट) क्यूटर इसरम ह

मी। इन्छन्।

স্মান ঘোঁছার ভর ম'ছে মরলেয় আপনার কল কলে হাজ

लुकत् । निकारमा फटन हेन्त् देश्य महत्यत्र ।

क्षिप्रकारिकः नायादिकः विनाय कुर्णिमकः विनायन अभिनिक्ता शामनातादि नीतायोध्या भन्नभिक अभि भाव दः मामक मोकाक महि प्रवादि कार्यात्मी कर भन्नि श्रीरकः मध्यात्म कराः लाक नमक भारण मका मा करत श्रीक अस कृतिहरू पाक्षाकरत्रमें किन्तु लाक सम्बाद्धम भारतम ना स्मान कर कार्य अस्त कृति क्षित्रकार्यन ।

অমীলাং অভুনাত কতিপন্ত নিমেষ খিডি ত্যাত বিয়োলে ব

রানাত কইত শরিতাপন্য বিষয়ত। জনাদ্র পদাতে বাল্য ম শিষাতি ভন মনা নতেরপি ভাররত শুর প্রকশন্তোধি প্রস্তর; ৩৮ ৪ জীবের শর্মার সংক্রিক্তির রাজ এই তেওঁ পাঞ্

৩৮ ৷৷ জীবের শর্মান ্যংকিঞ্ছি কাল এই তেল পাঞ্চ লোক কথাত লোক করেন না প্রস্থকার তাতা কলিয়তলেন দ

ভিন্ন নিমেৰ কাল জীবের জীবন । ভার বিরোগে কি ফ উ ল্ব ধীর জন দ অজি সুর নরাগান কেলনাথাবিবে । সাতে দ

य करन लग्न अस्म कर्षमत्त्र । चारत ह

অর্থ গোন নিমাল সংশয় করী ওপাস পদ০ গ্রেন চতপা শতহাে নাবতি বিভাগ ক্পাবিভা কাম্চি ৷ উডিট

शासिमाउद १ ভিত্তা পৰা ব' মপরা ভুলোক বিভ্যাপৰ কালাৰাক প্ৰবাসন धमविद्रा हा आहमा (क्या निवास का निवास मान অথ আর যে চাৰ ইণানের পাং দেখছ য श्रीन नाटम (यह मर्थ भाईता व्याभव १। कारत व्याम माडि न्स दिमन मण्यात । वार्षात् वान्यतः वार्षे वर्त व्यक्ते धन । रूपत দা তেজিয়া চাৰ ব্ৰাপড়ে জীবন ৮ এখন আপদ কৈন্তে উল্লিখ क्रेशा ज्यानात ज्यानरक वक्त व्यक्ति ज्यान अन्य कि व्यवस गुक्ति बदत । व्यवनाचना क्याउ जिल्लाक क्यन इदत ।। - বিমল নভিভিঃ কৈরুপেচভজন জনিবদ প্রা বিশ্ব মণ रेवस एकारेमानि विकास्त वर्षाः। छेर्वार ज्वसं चरमानीता कर দশে ভূততৈ কতিপর প্রমান্ত্যেপ্যাত করব মচত্যক ব एत- में जात समीकाका सानाहरणहमना 💛 🐬 थकन में में देवन काम मुख्यात । किस्ती वाहन किन कि देवन मान ।। किटना अद्भिन कर्रा जुनमूचि करत्र । क्टिका कृष्टिम मृद्ध लहे : हे बद्ध ११ म क्षिम पर्य-छात्रा कहा वे अका র। কভার্ডার প্রথমের একি অহন্ধার ।। न मार्थां छल । यदि वर्ष छात्र वातः मधी छाण्यक । की हा छा न नरेकः समाजय मुक्क रेजनांशिक शिक्षा कियु १०० म ५-१% ं व भन न नारामान मोशीक त को तो उक्षम यो कम्बर मकन ाहा करा हर्ना हा। १३ न-भारत गकरलंब म्राचंत्र प्रा भकल शाकिरछ । विष , क् ही, शास्त्र इंदियां नाम क्ष्मण दाव हिंदि । वटन शासन ।

পাত। মকণ্টক মিনং বসুধাধিপত্যত তৈলোকা রাজ্যমণি নৈৰ জ্বায় মনো। মিঃশঙ্ক সূপ্তহরীনী স্লভা সংজ্ঞাসূ চেডঃ পরত বিশতি শৈল বনগুলাবু।। ৪২

এবকার বিষয়েতে ক্তম বোধ করিয়া বন গমন করিতেছেন।।

ৰস্থার আধিশন্ত্য থাক অতি দূরে। বৈলোক্যাদি পত্য আমি ত্ন জান করে।। অভয়ে হরিহ পন সুপ্ত যেই বনে । সেই পনে মোরমন করুক সসনে।।

ইবিন চরন কারণাশার। বসালল নার্নরাংকল্মনর্নিবিত্র গুটিভ তরজিভশালশাঃ। বিবিধ বিভগল্পী চিত্র ধনি প্রতি নালিড়া শ নিম মূদ্ত কস্যাদ্ধ্য শিবাবন জুস্যাং ।। ৪০ গৃহত্যাগ করিয়াবন বাদের কঠ স্থ ভাগা কহিতেছেন ।।

ই রিনের কুর কুম মোতে সে বনেতে। সাদ্ধানিত জন লুশোলন বাতে।। প্রমেতিনিটো বৃক্ত গণিছে স্কুম । নানা भग्ने कृद्ध याटा थाकि विश्वमा। (सहे पूर्ण समक्को काराज भग्ने कृद्ध याटा थाकि विश्वमा। (सहे पूर्ण समक्को काराज भागि कर्षा प्रकार विश्व कार्य प्रमाणका भागि। एक व वन १ मोस्तिनो एक मणा शहरू कृषमा (स्वविष्ठाः मणे १ मृत्यम् एत्मा वत्सम् ॥ १८८ विश्व कर्षा वत्सम् ॥ १८८ भग्न क्षित्रा (हार काराज स्वा ॥

প্ৰাৰ ব্যৱস্থা হৈ ত্ৰিয়া হৈ বিদ্ধা আছে ব্যৱসাধন্য পূলা কালসৰ শেনিত ধালার পরে বিদ্ধা আছে ব্যুৱসাধন্য পূলা কালসৰ সৌখাভৃষ্ণতারা মায়ে কেন্ত নারীর ভূঞ্জ লভার বন্ধন ্। মুচাইয়া সন লুপে হায় তপোধন ম

इतकाः कनामः १७ विषेणमाद्यांशामहेतिन्वसिक्ष्यः प्रकृणिनक्षणकः क्ष्मृणकः । निमाद्याद्यकाः कथमशि विनि इति समृता मदमाद्याकः पीर्पाविष्ठम्यकि वृष्यः शिर्दाष्ठिः वयवात्र वाजना बहुद्वत्रा त्याद्यत्र इति। वृक्षाप्रिक कविर्द्धक्रमः स्वन व्यक्ति १० वस नयो १०० कन्नाम स्वादना स्वत्य

খাক জ্বশোভন ॥ মৃগ বন নথী পূলীন পর্মতা । কলান আরোপা কান স্থলৰ জ্বতা ॥ ক্ষেত্ৰ হল ভোনাদের ও মজস পৰা গৃহত হৈতে কভেতে বাহির হৈল মন ॥ অনু স্বা ভোন রা মোর মন প্রতি। চিরকাল ভোমীদের মাগে পরিচিতি ॥

वारमाव क्रमणंबद्धः क्रिमलबारमाक्ष्यवना उन्न मूना डिक्डर क्र्याः विजिनमीरखाः क्रमण्डरा । जीका मूक पूरेन বনে সকল দুবা ভোমার আবন থাকিতে, ও তথাতু যাচঞা

- क्य क्टना बरे ही उपका अध्कात किल्लाह्न ॥

শক্ষ থাকিতে বস্তু চেঁটা কর কেনো। নব প্রাবের শ্যা। কর প্রসারন। ভক্ষমূল থাকিতে হানের চেটাবাগি। সাগুড়ক

र्लीक अब रहकी रव कन्ये । जीडक नमीत्रकाम मृत करन कृष्ण ज्ञान बदनगरको त रेमक रहकी । वाधिक श्रमीण नमा करन

निनानात असम चायिन उठक मत करना वृत्य।।

এশতা শালুল । নাশন হতিশিলাসন্মধ্যানামধং শীত॰ নির্বর কারিপান মদেব॰ কদং সহায়া নৃগাং। ইতা প্রবিত নক্ষলতা বিভবেদোহোতর্বেদ্যাবনেত্ব পুশোধি নিকংপরাধী চটনা বলোজিনাদীয়তে।। ৪৪

শাব্দু ল লফাতে জীব কর্ত্ব শর্ম। গুন্ধপিলোপরি লৈ স গুন্ধবে মন। বৃদ্ধমূলে বসিপান কর নদী বারি। আচার

नामृत वस मृत्र नटन कवि ।। शार्थना विकटन नटन जिल्ला अन

भ्या वक्त मूलक कियू माहि अक पूत्री ॥ धराव माणि । वस् जरनरत -। धरा । जार्थ मा नाहिक धर्म वास्तरत स्विद्या ॥

্ প্ররিদ্ধান্দানাল প্রিয়ং ক্র্রাদশলপি । পারত গভা শেলভৌষস্য শন্যাবন নূপাশতে ॥ ৪৮

माञ्क बाक्ति बाका मुख्ये क्लाब मात्र (याव)कि मात्र । छ। है ।

् जान खड़र बहे धकांत्र अक्षकांत्र किएड(इन प्र

শাস্থিশতক যা

মাচক জনের আশার রে করিরা। শক্ত জন সুথে থাক মনেতে ভাবিরা।। বেদ সমূহের পার বার ,যেইজন ধ্যাভারা উপাসনা করে ভণোগন।।

ভাগর; কলমূল মাজকৃতিতঃ শহা মহা বরবঃ সহীতার পরিক্র': কলসমীঃ পূ-পাশি পূর্ণা দৃগা । বতানাজদ'ন ভোগ বিজবা নিহর্মা-শাবিনো, নীতানিভাগিকঃ প্রেবৃহহী নাত কিও নাম দৃদ্ধাপুতে ।। ১৯

बरनट मकलि मूर्व चात्र मकल मुदा मूलक दक्रमण्डवमार

কল মূল থাওথাক আপন টভাতে। সুপেতে শয়ন করা পৃথিনী শ্বাতে গাপরিধান করাবৃন্ধ বাকল অথর। ক্লাকার্চ পুলান বড়ই সূক্তর য় বনেতে অপূর্ল পূল্প আছে দ্বাগ্রা। নিরাপদ অনবর্গ আদি বভ ধন য় বৃদ্ধের স্বিভ তবে নীক্তা ভোষাবুর। দংখ বিনে গ্রে কত রেশা যুগ আর য়

নিঃবভাৰতৰ ভাৰনয়াতে ৰাষ্ট্যভৌন ভ্ৰমং বস বালঃ ৰালি সোহি বিষয়েনিং য় ভৌৱেম্বাডে হভৰদেচ বনেচ ৷ ৫০

किर्जिन्द्र श्रक्ता रगवान क्रेंचिं अकिन्त श्रव्हना वात राजीह देन्द्र विश्व का मारे त्व मृत्य त श्रक्ष रगणना।

তবের ভাবনা যার কিছু নাই নর্টেন্ন চত্রসর্ভি ভবর শন্ত্র ভার বনে।। বিষয়েজিনেতে করে চোর বেই জনে ।।কোপাও ভদু তা নাইবনে ।। ভবনে ম

त्राम । १९८५ । यह कर विकासिका । नृत्क्यू भरक्षम् इमि न्

স্পঃ। অসংগিতে ক্র নি বঃ প্রতেওঁতে নিব্র রাপসা প্রঃ অপোরনঃ ব ওচা।

ই লুৱ দিগ্ৰহ করিকা গছে, থাকা লেহ ভাল।।

विषद शिमुद्द एक बद्ध होना यात न्यंदक्ष । यदम श्राद्ध व स्व क दि प्राप्त नार्थि पूर्व ११ ग्रह्म श्राद्धि करक , द्यारे , है लिन् व स्थम भारत क्षेत्री कहें कि स्वा श्राक्ष कम ११ नांक्द्र निक्ष कक्ष्म नृक कि एक मन । निवृद्ध शांभित क्ष्यांक्ष्मित कुर्णाश्यम ११

বিবেকঃ কিংশোহশি সুৰস্তানিকা গ্ৰানকৃশা সকিংমাণগ্ৰ বিভাগ ভবতী প্রাক্তান্ত্রনং । সকিং ধর্মোবল ক্রিভি সপর দোহবিত্রতিঃ অভঃতথাকিংল্যা দ্পান্যক্তনঃ বধ্বয়তি । ৫২

किरम धर्भ किरम अथम जाना कन्दिएएक ॥

শরজ জনিকা কৃপা যে বিবেক নাই। ভালারে কি বিবেক করিব আনি ভাই। পর প্রভি অনুগ্রহ নাভি যেই পথে। সে পথ জপথ অন্য মন্ত নাভিছিপে ১৮ ছে গছে আহিক পর লোকের বিরক্তি। ভারে কি বালির যথি ল্থের প্রকৃতি। মনো উপসম লাভি করে ফেই বেদ ১ ভারে কি বালিব ভাভি সেই ন ভে বেদ।

অত্যেকসাতিখনি কিঞা ছিত্তঃ কেলাপি প্তেক্তঃ সংসার শিশ্যকাৰ খৌৰন জ ৰক্সভাৱাৰভাৱাধ্যঃ। বাসচ্চা বভ্ৰমনাতা নস্পত্য প্ৰাক্ষোস্বাদেৰাভাত বৃক্ত দিশ্যক্ষিক্ ভট্টুৰবাৰ ছ কিং পশাতি ॥ ৫৩ . व वालक वृक्ष मृतादक प्रदेश कविर उद्भार

निशु य्वा वृष उत्य (मण् नवाकात । जारन निरम् जारन निरम् या अ बन-जात १ बन-जात बम् कानी कतन वालक । जान्यारम नाहेग्रारम (जवा कतन मृत्क । विषय क्षेत्र कार्यक्रम वस्त्रका । ने विषय विश्वानित स्न क्ष्रका ।

পুঞ্জারাত্তিক সারঃ পুরুষাশক্ষণ মূচ চেড্রাং ৷ নিক্সাত শাল্পত সারঃ কলেগুলালার বিশ্ববৃথনা ৪৪

পূশ্দারাদিসংসার দাওত গঠের শারসংসার উচ্চ কেমন পূণ দাণ শাদি হত এইত সংসার। ইচাতে আপৰ কোন নুক্ত ক্ষি বার দে এতত জনার জেনো শান্তই সংসার ম দ্যােগ হইলে করি নাশ মাহি আর দি

ইতি শাস্তি শতকে বিভীয় পরিভেম। ।

म्हा मून म्हाम की रहत्वकारनी ब्रा ; मात्र पुरस्ता पर भाग दत्र योगः जिलाएक h इंद

এই ফেচকে দৌকা করি কচিতেছেন।।

বাই পূলা মূল্যতে কিনেছো দেক্ররি ে না ভালে বাবং মার তব বদা ভটা ৷৷

ামধন রজনী বুলালেদৈং পর্জান্তরমানতং বছাতি নিকটে কাল লোডি দমান্ত ভালেবহাঃ ইচহি প্রভাগ মহিলাঘোনচাপি লিভাগনত ভাদিক মহতাং মোল; কোলয়ঃ বদেব নদাবিদা।। ৫৬

बहें मःभात क भाव नमी चक्रण केतिया करिएडएइन ॥

स्माता भूके कर्रा व करनित करनित करना वरत । किया । त्राजि प्रक्ष मर्कारो सीम भएक ॥ करनेकिनि स्मार्क करक वर्षक कर्मनयोत ॥ स्वाटक भिक्रिक भून नार्विक निकात ॥ द्राविषय क्रिया निवय । मर्था व्यान कार्य करत । मास्करक यह शर्ख मक्षानांकि करत ॥ क्षान कार्य कराजिकाकत मृश्विकां विषया विराश करिक

. एवं, अजिमक्यांव चय्रियानं। वृष्ट्य चान्छाः भवम भावनः भाग्य मनमः जाङ्गारमण्डकामम् मनवः विषयि । वर्षः

বিষয় বিজেমের যথে এই চৰৎকার দেখাইতেছেন।

চিরকলৈ আছে মত মেশ এবিষয়। অবশা যাইবে কেচ

বাকিবার নম । যে বিষয় সমুত লোক তেজিতে না পারে ।

কি সুন্দর ভেদ তার বিজেম তিউরে । আপনি গমনর্যাধ করে

সে বিষয়। জীবের মনেতে কত পরিতাপ হয়।। জীব যদি সমুত্র

বিষয় ত্যাপ করে। সে বিজেম মনত মুমান লখ গামে।

ভবার এ ভাষং তনু গৃহবিদ্ ইদ্বহুল । বলি কালতে । রোনিয়তমলিতা মোহরজনী। পৃহত্যজ্ঞানাগে বিব্ভিফলক শীলকক্ষ স্থাধান ক্য়াখির তর দুশোলাগতজনঃ ॥ ৫৩ ভবসমূলকে ব্ন হক্ষণ করিয়া কলিছেন।

ন্ধ কুপ ভরানক দুর্গম ববনতে। সানা বিদ্যু আতে দেখ তন্ত্র গ্ৰেতে। সর্বাদ্যকার রাক্সিয়েছ ঘন ঘোষ। ভাঙে অতি বসবান পিছে কাস চোর।। অতথ্য বলি ভাই জ্যালায় যানে। তান কপ অসিধারে থেকে। আগরনে।। পুরে পর্যাদ্ধেরপুরিক কুনুনোরং অভবত সংখ্যাসাক্ষা । প্র ভইতি বার্পোছবমুনিভঃ । নরান গৈহাদেহা ২ প্রতি দিল সাব ক্যানতেঃকুচাভাত শক্ষাকিংনাচর ভিরে জাগভজনাঃ ।। ৫৯

তক দিন নিক্সামে চূরি থান হয়। লোক শুনে স্ভব্যে পানধান হয়। শুনরে শুক্ষ কন এইড উচিত। ভোসুরা জানি। কেন নাকর বিহিত। প্রতি দিন তন্দুহে কেকে লয় প্রাণঃ জাগিয়া কৃতাক চোরে হও সাবধান।

क्ष्मावा महिन्दः किण्डवामाच्यात्कोक्तपः चौ नाव विमानिमतः त्मन्य-नूष्ण्यः ष्ट्र-क्षमीतः क्षित्री क्षिण्या विख्याधारम्यः मसीद्रियमग्राज्याः मस्ता विमानिकः । ७० व्याव मण्मात् क्षम् कार्यामतं ष्याञ्चय मृभ्य वाक्षा कृत्ये ।।

ভোষারতেও মোদের নাহিক কেই হয়। অসংসারে কেবা কার জন পরিচয়। ভব,সম্ত্রুর তেউ কেনা রাশি মাজ। ইভার মধ্যেতে যদি হও সূচরিত্র।। ভবে ইচা ভানি-দেও ওয়া পথে অন "সর্মারতে লক্ষণথে করহ প্রমন।।

ৰুজিং কথুৰ্থাং ব্যানজ বৈদ্যানৰ ৰোদামকে বুৱাং বাচ নসুৰকো বিষৰ্চ ভবিমধিদামকে। বাৰসা প্ৰকৃতিঃ নমাং বিভব্তা কিন্ত্যা চিন্তয় স্মাতং পদু কণা লম নিশুচ জেনায় ক্লায়তো ৬১

গ্রন্থ কার আপনার সমকে ক্রিভেক্টেন গ্র

মুক্রে বুচন প্ৰাপ্তলুক লুজন ৷ ভাষাতে আমোদ নাহি

करतो मम मन ।। एवस न वण्क वाका विस्तृत जातक । जातक ও জামার মন নাহি কর বৈদ ৷ বার মা বভাব 'সেডা করুক বিধান ু আমাদের সেভিভার নাহি অবধান । বাতে মৃতে ৰুমা কৰা নিওড় বান। সেই কথা সতত করিতে চাজেমন।। ম্ ত্রি-দরা যদি জনঃ পরতোহ্যেতে মন্যেপ্রত্ত স্লভোক্ষনন अस्कारन । ल्या विकारि भूगकः भन्नता केरहरता पृत्याकि ভালাপি ধনানি পরিভালতি ॥ ৬ শ ॥

दिरवकी गाँउकि एक एक ।। यन वाष्ट्रा क्रम भागवर एक महन দুলোতে সঞ্জিত ধন করে বিভরণ। প্রন যদি নিকা। মার করি ন্ত্ৰী হয়। সেত বটে আমার শুল্প অভিশয়।।

কৃতিং প্ৰান অিপতিয়া যতি বক্ষ বা চণু সোচত কৰা ভর বেত্যসূত্ৰ প্রার্থার। শোক স্কালি প্ররেব বির তপরা চারি মান্ত বালভবালিভিম্মিমিত গ ৬৩

আমারে কোন ব্যক্তি নিকাক্ত্রে করুক সংগ্রান্ধিকতিতে किन। स्थात श्रीत कान वाकि के के कि विन । विनादमास्य क्षेत्राका केतिल क्षित्रमा । सिर्माता भाषात क्रम क्षमा करते তালতে কদাত শোক নাতি কর মন ৷৷ মরে মাত্র এট শোক क्षर बार । टेविंग्यन देवका शादक माध्यक व्या

यस मा भोड़ाम विविधान हिन्न वर शाल खुकार्श्व इस्तृतः नरहः क्या मणाव मनाक्ता वादः कडरमा दमको म्रामः इमाः । ७३ ॥

वार्षाक्ष विक्र विक्रा करते हुन इस्त वाल अर्थ कृत्य। इ वार्षण त वार्यका मा कृषि (स्क्रेड्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्ष्य क्ष्य मा वार्याक्ष्य माहि स्वि व्याप्ति, क्रिक्स क्षाना । इत्य

নাল ক্লাব্যাপতাং পৃথ্যুগারির লো গারীনতাং বন্ধ বেলা ব্যাব্যারতার স্বন্ধারিতর স্থাবিস্তৃত ভিজ্ঞাত বাব্যার আং সন্চিত্ত ব্যক্ত সন্ধিয়তাং বিজ্ঞাত সিধায়তাং পর ভারং ব্যান স্থিয়তাং ॥ ৮৫

श्रमकाञ्च किरनदकामर अल्ड बान का कविएलाक् व ॥

অংশনার এতি তামি করঅবধান। গুল্পুক্তাজিকর বৈরা গা) বিসান ৪ তেজিবজুগুলবৈম সূর মধ্য ভারে। পরান গারন কর বিভ জিফালিরে। সক্ষা স্থায় করে নোবে ভাব বরি। বাল কাটো পরত বুস্থানু সন্ধান করি।

মনজাতি সময়ে শুডিং শিব শিবে জ্যুক্তি নামির্ব তি বিশ্বে ক্রিডিড নামির্ব তি বিশ্বে ক্রিডিড । একন্ত বস্থিত ক্রিডা বিভাগে স্থিত স্থাতি ক্রিডা ক্রিডা নির্বাহিত স্থাতি বিভাগে স্থাতি বিভাগে ক্রিডা ক্রিডা নির্বাহিত স্থাতি বিভাগে ভি

ষ্টির কারে ক্লিডেছেন ।। সমুদ্ধেতে অভি পাচজমান্তরে আলি। শিব লিবে ভূচিক আর মনের নির্দ্ধি পরি নিজ ভিন্ন কর গুলেতে বির্দ্ধি। শশ্বং কর্মান্তিরতি। নিজ্ঞান বস ভি ।। প্রতি ধরার প্রতি সভার সক্ষিত্র। কাম পরাক্ষয় সভা

-मान्य-। अस्तार भारकार्छ निरिष्ठा । क्रांमरे कविनाम पराच हेर्गेडि। क्रि ব ওলি জেন মৃত্তিপথ জিতি ।। । ाना ना नाना विवस्ता विवस्त विवस्त विवस्त विवस्त । रेप्यक्त क्या खन्डरायाचारायामामामः । भाराज्ये जिल्ल दियं नाम् व विद्यां ना गाँउ के जिल्ला क्या क्या कितान क চেন্দ্রন নিদ্দ দোশবর• নাক্যাতি । ১৫ 😁 · बीटनत श्रीक कविहका जन। दिवस का निष कोला सहै तह वान । खान एक रक्तमान किपान नवानिक अधारत कवन कर् **ভाषक विषय ' छरव वृद्धै विकास क्यां छित्र स्थ छे**म्। । विश्वस निकाम क्यांकि व्हें व केयत । अध्यक्तकार्श वक्षा स्थायत । ।। ু বুজের প্রোতর ভয়া নিশ্রা প্রাইরোপুরে প্রমপ্রে কর্ম ब्रहातः । उन्दर करमन्दकशांति धर्वावसद्द "कानठा" शबर चम्रभाषनां डि । ७৮ वृद्ध वृद्ध क्रमन छोड़ा कृष्टिछाहून ।। महत्रथान अनुवर्गका হকোর নিখার হ বাজ্যেতে কি কর বুদ্দি গন্য নাহি রয় 🛍 🛍 ্ প্লকিড অছা বাদের খনরে। কবে ক্রণাদিগান পাছ জ্ব हर्या। छोटाट यज्ञः भार करत्रव नियान । नुष्क यणः उद्गर त्मिमान।। শৃংখালারক ভাবসাধীকোলর মলনেকোলতনঃ ॥ दियाया निवना समेखान भयोष्य हि या निर्णण ॥ ७० ্ৰিষয়কৈ পাক গছ ক্ৰিন্ আর ননচক বি দ্বেশ্ৰ ক্ৰপ জ্ हा की-एड हिन्। अकाद वर्ग भाष्ट्र प्रथ अधिन

नारिक्रण्यक रि

পাক পৃহ জল্য এই যে বিষয় ।। আমিষের লাজসা করিন। আ মোর মন। বিড়াস করপ হয়ে করোনা গমন।।

বাদিত্যসন্ত পভাগতৈরহরতঃ সংক্রীয়তে জীবনত বাংপং রৈ বঁছকার্য্য কারন শতৈঃ কালোপিন্দ্রাঞ্চত । দৃতী জন্মসঙ্ক, বিযোগ অরনং ক্রামণ্ড নোঁথ-পন্যতে শী হামোহনরীত প্রমোগ

महोतुः मश्राष्ट्रक्षण छन्। ॥ १९ । । । ।

यनटक कहिएछरङ्ग १३ ज्ञामिरछात् शयमा शयरन क्षति विन वह विध वाम्पादत्र छ आशृहिन कोनस्यास्त्रो क्षत्र स्त्रा ज्ञा नः कोटनो कार्करत्र १ होन नाकिका देशक यकामानकरत् १३ यदत्र रहरको वश्या छन्न वसुना स्वीवन करन स्टाइफ् प्रक

নাও বৃদ্ধী জলতে পালালী নহীও। ভন্তালিজালং স্থাজ্গ ক্রী কলতে বনোভূ কৈবওঃ জিপতিরতি ভঙুন প্রতি

अक्षा ।। १३

समरक यदमा मस्य क्रिया चार्य । ज्या क्रिया क्रिक्ट क्रम क्रिया क्रिक्ट क्रम स्व विमान क्रिया क्रिक्ट क्रम । ज्या विमान क्रिया क्रिक्ट क्रम । ज्या विमान क्रिया चार्य क्रिया चार्य क्रम । ज्या । मिर्च्य क्रिया चार्याचा विषय क्रिया चार्य क्रम । मिर्च्य क्रिया चार्याचा विषय क्रिया चार्य क्रम । मिर्च्य क्रिया चार्याचा विषय क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

সংশনী ভয়ালাকধণ পুন্ত ৷ প্ৰবন ভলভীকাশাৰে প্ৰশৌ প্ৰাল

विक शिक्षिको इड विधि नवस्त्राग्रहान श्रमाहि कि॰ खरान

আপন সমকে হংশদোন করিয়া আর দ্রীলোক সবলকে

স্থান বন্ধ করিয়া কহিছেছেন দেবরে মনহংশদোনী শুনহ

স্থান সোরী সংবাদরে কেনো করিছে। গমন । অবন লভীকা

নালে তব গ প্রসারি ধেরোমার বন্ধন ছেন্ত্র পাতি আছে বড়ি

कुछ विश्व बदम छनि क्रेग्रांक चन । मोना ७ स्विरङ ইर्थ

क्रहेरवं कि-धन्त ॥

विषय विषयतानाः जानवर्धकुरि कृतीनाः विषय विषयि वृक्ष राष्ट्रण्यकां केलानाः । विषय विषय विषय क्रियानां स्था याः नृथकन प्रतिष्टिणः साहनः या नृकारी । १७

न्यां मनद्भ किटिएए मन रहे विषय होन विष युक्त नर्शे न्यां ११ विषय महर्गत च्यां छे छे देव हे प्रश्निन । विषय विद्यत्त महा इंटर ने ज सम ११ असन महर्गत महिषाहन्य व्यवसाना । जुन स्मान करा मानी मान्य वहतानाश

ধকানূৰ ক্টানিবলী ৰপাচরছিঃ প্রানীলেরেভিন্তে অরক্তিক্তাঃ বাগতে বিপ্রসন্তাঃ। ভতাদেশাং তাজ পণি ০৪০ চিত্তার বাসধা মাভবাত্তিকিমূনসিলিতঃ পণ্ডিঃ পণ্ডিং সাম্বার ১৮ য়

বাপন মনকে কণ্ডিভেছেন। রিপুগ্র সমিভারে হইয়া ও ভূঃ বাজ নাগ্র কিনা আচরন কৈলে চিত্র। গুরু শান্ত ম মোর ভাত নিজ দন্ত। মম সনে কত না করিলে বি আন। শহরে ১৬ বিপ প্রিচন ডাঞ্জাপদার বিকল नम्। य भागात कथा उस माम्अविषित । পश्चित करेता असी उद्देशम पश्चित्र। , भाडान याविनान रामि।नर्कातिनक्षशामिक छन वस्ती। भागम हा शत्याम हाराख कात्रिकार मठमानातान १ अह দ্দেশ লগুলাপিনিৰ্বা এতিনেভি বেৰ ১৮% চে · । बाभन भगरक कड़िरहन । काकारन भा डीरन यह हम हम ছল।। সন্মত্র গমদ তব যে তেন্ত চঞ্চল।। ভলাধিন কর্ম ' শাহি भावनाद्रांतन परवर्गनीन एके क्या जनापि कावन १ वालेएव জাবিলে ভুলি পাইবে নিকৃতি'ছ ভারে না হি ভারশেন কেমন ্ পুতে বিভিন্ন মান্তির প্রথমিভাষাপাহরপ্রি তথা সভোজ বিষয়াক ংকিপপুথান লৌব্যাশয়াবঞ্চিতঃ মুইতঃ শেষে কজাভাগলগতৈ রৌদাস্য শাল্যিত স০ প্রত্যেধিশানি লোগ विश्व दर्भ भी स्रोत सामार छ। १७ অশ্বার মনকে ক্লিভেচেল্ন দেওটামারি ইলিকা প্রপ্ত ই ক'র্বা। হোষারে বিধাননিজ সুখেরআশ্রে॥ স্থিচার

ত ক'রনে। তোমারে বিধানেনিজ সূপেরআশারে। অমিচার্ শাসনার নাগল কারতে। গ্রহল ইনি নদ্ধ না 'দের করিতে।। খনি কি ক্ষিতে নিজ কলা খিয় ফলে । বিধিব বশগার্ভিয়া, বা বিধ্যে সুন্ধ্য চির স্কিড মোহজাল্স্রগ্রাল্য বসত কি शर पावनाचिक्त समाध्यम् अवस्थित वरावावित विदायनाम् एकस्तर

लित किया कार्या कारक । इतन जाहे कमा एकारण विश्व वा किए। एक ।। पूर्व जिस्त करत रिका मृश्यक (वर्षन । मर्थ व विश्व कर्ष

ना तर्ना कथन ॥

অক্ষেত্ৰ পতত গড়ত বা লিগত নিজেনিং বিশ্ব বা তিওঁল কাম্যেতিং। জন্মান্তবাজিত গুলাগুডকুন্নীনাং ছা যেব ল ডাডাড ক্মা জনাৰ বন্ধঃ ৪.৭৮

আপন সনতে কভিতেছেন । আকাশ বা ধাও ভুমি যাও নামি নাকে । জসমি প্রবেশ কিছা থাকচ একাতে । যাগজা ভুলি কত প্রম ওচে ছাই ।। কর্ম ফল বিনে আর বিভাপতে নাই ।। শুভাগুড কর্ম ফল ছারার সমান । মরিলে স্তেত্ত যাবে নাহিক ছাড়াব ।

जेशमम कनाविका। बोकां केनः । धर्मायक्काः कर्यकि बी कर्मा स्मर्थात्रके व क्रियम् कः । धर्मायक विकासकारक का दा मयाचि विक्योद्दर जन्मिक | गठ्य माद्रजीकां के च्या व क्रियाद्वर सम्मर्थ

ना यम्बर्क । बक्द भारणी ॥ शह रण कलावे तक महि थाना कोरव यवाळ व नाहि हा ॥ गणारच जा विमा मुलीह विज्ञा मिक विनित्न मरेत धात किनः मनिष्ठ विक्रवृधिंद्रमावृत्वाः । यतः (यदमावक्षत्रिध शद कर्ण्यत । उन्हें वर्षावर्ष द्यान्य केरे व्यापन वर्ष ধলি ব্যক্তির প্রতি ছেব করিয়া এবং দু টান্ত দেখাইয়া আ भग भगरक श्रावाय विरक्षक्ते । जनगणी यदानि विभिन्न धनि वाकित भाग। मी देववित किरादित यनि विवृद्धि देवतन ।। मिटे कि डाउ थांड विकिश नोके ज भिम पिटेड डेंब न क्ल माम नक्ष करत ॥ वरना कति क्या यात्र भक्ति वतास वाहित या न व्यागाद नविज्ञा है रवयन यांवत्मन खदा बानिक হরিল' বনিভাবে সেই ক্লপ ইথে নাটি ভিন ৷৷ ভদ্যাভাষ্ট্ৰজন্ত প্ৰমণ বিকাশিত দুপা বাঞা ভল্পায়ৰি किनांडि ॥ यमान् मकरेडत्य कृत-निष्मडा कांत्रसः क्ष्म অৰু গতা বিভাৱি ৷৷ क्षेत्र (हाल नर्स म॰ नामि शहराथ मिर हाल न ११ व्यट बन कान ছে পঞ্চিত সঞ্চলন। দেপিয়া এমাৰ বৃদ্ধি থাকে হে চেত্ৰ। তবে ার বর্ম পদ আনম্ভান্তর। পরবৃদ্ধ স্ক্রিয়াপি অধিল ক্রিন্তর काराद्य अधिनत्व क्रव्य क्षारमञ्ज छेन्द्र ॥ याँठ छक्र त्रांत क्रव

बङ्गात निर्मा

তি লাভি লভকে কৰ্তুক্যাপদেশস্ত্তির: পরিকেই।।

শ্রুমিকৃতি যেতি চীনচরিতৈ কৈরেব তত্তি কমা কঠ নীখা ব তরোলি ভামনুচরীং বামাল্য কালামণি । ব্লাভে নিপত

প্রেণি ভাষনুতর বাষ্ট্র কাম্যাল । ক্লাভে নিপত

प्रश्निमाण यमि। ।

বহাপি কংপথ পামি আমি না হইতাম তবে ধনোপাজ ন করিতাম ইগাই কলিতেছেন।

ষে বকল হীন চরিত্র ভার আদেশে। লক্ষা আগ্রমন করে পুরুষের পালে।। সে,লক্ষারে আদাই করিব অনুচরি । ফলপি আগুর পথে গ্রমন না করি।।

শক্তির: সকল কাম দ্যাওতঃ কি॰ সংপিত্রা,প্রথমিনো হত্তবৈ হত্তকি। কল ভিত সমন্তাং তমতি ততঃ (কি০ম) র প

- শিরুসী বিদ্**ষতা** ততঃকিল্যা ৮৩

সূত্রন্তেল গরেণুড়াতে বাকিছ্য । ধনে বন্ধুগরে ভোষা সে ত্র কিছনর । শত্রু শীরে পদ ছিলেনীশা হইয়ে । কণ্প কোটী

्र किष्टुनरा ।। भाक भारत भए । व्याप्टिन्य । इस्ट्रार । कन्न एका अवटा भाका कि स्टिन डायरम ।।

নিকলাঃ কিষু কলারে। দরভব জানা হয়নাঃ এচংকি। প্রাক্তা শার ডঃ শার্গিরিংকে প্রাবাসমার্গান্তঃ। , আরু থান সিস্ত

খন্তঃ প্রতিদিনত মন্ধান্তির গ্রীবিভি দহারাপিত দ্বি উতি জিতি ভূজাত বিভত্তি রপ্যাসতে ॥ ৮৪ আপদ সনকৈ প্ৰবোধ দিভেছেন।।

य तार्ड कि शर्वराज्य कर्णमा (नारे हैं। भारहत बाक्स कि य बाक्स कि मार्ड कर कि श्राहितार कार्ड कर कि व्यक्ति कार्या कार्या

বান শির্দ্ধপলাশপদ্ধ রটি চাত করাও বলানে। বনে কর্ম্যা মধ্যজির গার্দ্ধতিত চরুখে; সংস্থান সঞ্জিতত । সোজমানি সবে পিত্ত সচ্চিত্রত সংস্থান পাছজবরত হলাও মন্ত্র মূল্পাচি স্কুল এ গেভিত্তী থীনং বচঃ ।। ৮৫

যাতঞার ঐতি ধেব করি রা মিঞ্চ মনকে প্রবোধ সিচেত্য বর্ষ পলাল পরে কাঁথা নির্মাট্যা। লীভ নিরাবীর লাক? স্থা করিয়া। জলপান করি বনে পরান্ধরিব । তেই দেহি ও দাক্য বলিতে নারিব

লভাং ৰক্ষু মানেৰ মানি শালতা বানীমন ছারিনী ৷ ছাওঁ০ ছা মৰরং শার্থ মন্ত্রত অল্ত পিতৃত্তা জলা । লুজার্থ পর মেগরনা বিমল শাখার ভক্তঃ প্রত কুছানো কল লৈ প্রি প্রমত গোলাছকৈ। কিঃ দক্ষিঃ ৷ ৮৬ আপন মনকে মীতি শিক্ষা বিচেত্তেম ৷৷

वर्ष्तिए न डा कवा कल्यादा चादह १, मन् त नद्रम छन्

अवरत्य के व्यक्तिक प्रांच कर व्यक्त प्रदेश निर्मा कर विकास प्रदेश निर्मा कर विकास प्रदेश निर्मा कर विकास प्रदेश निर्मा कर विकास कर विकास

स्विष्णासम् त्याक मका नत्र स्टब्स्ड नव्य प्रसामाद्यः धार्मिक्ट ७ हे । अ १५४ काल बोक महरू ॥

वापुक्रण यूक्त वृक्ष भारक्ष कानरन । भर्तक निर्वत क्रम निर्वा तर्गण ॥ भड़िर्छ पृर्वात काम मिक्र गृहिर्द्ध ॥ भित्रि छहा नार्या नगा। का नकाभवा। श्रीपण मामिर्ग ताला कम्मू विद्रा रहेक । भक्षा छाठ मोरक वेरन कात्र मर मर काल हिंक मान्या व नक्षण चारिम थाकिरक । धरव रकरमा मान यात्र यूक्ति रम्बि रहा। भागी भाजा भित्रक नुम्य भित्रम के किया सम्पर्ध म कि महा रिविक्षिमामा क्षणक स्था सम्बद्ध मिक्रम विदेश रामा मिन्न काकि कहा किया क्षण क्षण मर्गाव स्था स्था स्था म ال فصله الماليات

পূর্ব ল্লোকের অথের আচরণ আর এই সংক্র ব্যবস আহার। করেণ ভাহার নিগের ধন্য করিভেছেন

ं कल्लान পাত হত পরুষ পবিত্র। ভূমিয়া (ভিকার লগ

র সপবিত্র ii দলদিক বস্ত্র দেখ শতি পুনির্মাপ। পয়ন ক।.... বলে বহু জিতিভল য়া এ সকল দ্বা মদি প্রস্কির কৈরে বলঃ

मर्था बार्ट्स राहे धना दिन्छारत ॥ नर्द्धां छोहात यन शन्

मिर्म । रियम्लामा कर्तत करत कथा मिस् मन से

সুধং শহা। ভূমি জসৰ মূপধান; ভজ্জভা বিভাম দিই কিইনিত।
বাজন মন্ত্ৰলোধন মনিজ;। ক্ৰুজেনো দীপ; স্থৃতিবনিতা
জল্ল সুক্তিঃ সৰ্থ লাভঃ লেডে নগল দক্তীতে। নশইৰ ॥ ৮৯
ক্ৰুজেণ ব্যবহার ধনে ধাঁহার। করে বিভাগে ভবভ্ছেত্ত

बोड रव बृश्वि बर्डिश्चर ॥

ততে রবালিশারনে মতকেতে দিয়ে। মহানক্ষে পণিনী । । ।
বাকো শুয়ে। আকাশের অভিনানন পরাধ ব্যক্তব । দিয়ান,
চন্দ্রাক্রে অভি শুশো চন।। নিজাবৈদ্য বনিভাবে কুবে করি
কোলে । বলে নিয়াপদে শুয়ে থাকে। জন্তবলে । নাগু বলি
লৈ মারে অসম আচমন। সেই নতে দ্বানীত রাজার মতন '।।

ধৈয়াত বনা পিতা কৰাত জননা শাহিশ্যিত গোলনী সভাং অনুহত দয়াত ভগিনা ছাতা মনঃ দত্ৰমঃ । শ্বাভিছি ভসত দিশোপি বস্তুন° আনামূভং ভোজনত এতে যমা জটুখি মে বন মনুধ কম বিষয়ং যোগিমঃ। ১০ লাহিল্ডক।

रामुह केन्द्रि कविएउट्या स्पर अनने प्रवृष्ट वाहाद। 🖰 🗈

এমন ফে'গ্ৰাই ভয় কোথাও ৰাই দ

ाकार जनक रेशर्री क्या यात्र मांचा शालि यात शृष्टिनाल

अन्यति मृत्राश मध्यदे मध्यम कात्रा क्षांत्र प्रशा । यात

भयो जीव छक्ष या इ. जाकि काता। सम्पत्तिक बन्न वाताशीन कामा अ मछ। सन्तामहन्ति नामाधि हव के अपन बन्न प्रशास छक् करेस

হোলী বলি ভারে। বল দৈশি ওচে নার্থী দেভরে ভালারে।।

বিক্রিকটান ব্যি নিচেইশের বপ্রাক্ত ক্রিকারে নিজ্য ক্রিক্ত শাখবোশিচ ভ্রমাৎ কারাগ্রেলালয়ে ১ডং বিজ্ঞান ম মং ক্রবে ক্রপটা ভিজান স্বাকেশিকা বাসার্গ চবু সম্বোজিনি

य नम गर्नारतरख वाङ्गेहेत कांखि। विषः निभव वाहि नमीविता गाँखि॥ वेयन निवत नश्य वाहा थाटक करत। जेलित व्याहिक वाहिशा वेयन कांग्र ॥ मना त्याहरू चन्न कांग्र कि कर व्यक्ति । कार्यत विभाग्र दिक कांग्रिक शिक्षा त्रभीत यूथ शब्द य्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विश्वा नाम व्यक्ति कार्य क्रिक विकास वर्ष नर्ज व जना के कांग्रिक व्यक्ति करित क्रिक विकास ।

ন্তৰ্গ বিকৰ কঞ্চিপ্ৰবং মহাপ্ৰীসংগড় ভোৱেলতা প্ৰাঃ বৰ্বনামা নিম্পূত্ন মলি ৷ মণ্ট আৰু পদ্ধি পত্র পুরিকাপারে প্রতিক্রিক্রেক্র ভিরেন্ম ১৯৬ি, বার্গত সমীলাবকে ৪ কং

সবিদানে লক্ষ্যীরে কাহতেছেন।। তেগো বাতা লক্ষ্য শামি । নবেদি জোমারে । স্পারে

্রেজিয়া থাম কল অন্যমণ্য র বিশস্ত ভোগের বিশ্বে আছেজ. আহার বিশক্তন এলতা পথ ক্টকে তোমার প্রামার নাহিক.

क्ष्यू विषय त्यातात्व । त्य त्वत्या वाहेत्य याजात्वामात त्यः विरक्ष । गव्य जि चायात यम ,धहे बाह्यकत्त्र १ म्याण भरतरज

क्ति। जब अक्रियाद्व ॥

নিছে লে দন নাসিকে অবতাজ্য তাশিনো নার্ত্য । সংগ্রেভাগ নমগ্র ভাঞ্জিরহং সংগ্রেমং গ্রেখনে। বৃশ্বেক। বহি সম্ভত ভাষ্যনা নাজান নিছামাক কেন্ডিং ভূসিলুল। নিজার দহন জালা করালে গৃচে। ১৩

नकात वरन अवना कतावन मृद्या अव नर्तादात देखिता सकन कि किरकट्ट ता

বের জিলের লোকন রাশিকে কল্পছালি। প্রবাধ সভাতর করি হলে ক্টার্থাল । ভোলালের ঠাই সাথি এইত প্রভাগ । করালের ঠাই সাথি এইত প্রভাগ । বহালি লালাকে করা জানি রাজ গৃহত্ থিকার অগ্রিত্য মা করি আ লাকে করা ভেবেছি আ লংভাল গতকালো যত্র প্রতিটো মণি বেল দ্বালাক জার করালা হলি প্রতিটো ইবামী সভাকং জার করালা প্রতিটো ইবামী সভাকং জার করালা । ১৪ টি কলা ক্রোবৃহি, অথ কিং বাস্বিধি গৃইসৰ জনালা । ১৪

্রার কর্ম প্রালেশিকর প্রতি ক্রিক্টার বিশ্ব হা

প্রতিনি ভূম কা বার বছন প্রস্থম । আমার ছিলো। ক্ষেত্র বৌধন ৷ তুর ভাটে ইসিড় আছিদেশন কন। বৈত্র স্থ ডিলা ফটাজ বিভিন্ন ভর্মান প্রতিন ক্ষমণ পূর্ব কারণ বেলন

रजन ने क्षामान कर ने निर्मा के के उन्हें रक्षण एक विषेत्र न

রিজম। বধন আমরি মনে চতে গেছে জুন।। । । । । জনসাদিক চন্দ্র আর ভিন্তি ক্রেচার জনিউঃ তথাং টি॰ না

রীয়ার বিশ্ব মধ্যাবং খালছলি ।ইলানী হলান্ত পটুকর বিবে স্থা ভাগালুকার স্থাতিটা দৃশ্জি ধিভ্যন মণি বুল সমূতে তিও

भिन्नि ब्रिक्शिय । जोने अनुकार स्थापिक महिन आमान हिन विक्रा ब्रिक्शिय । जोने अनुकार स्थापिक महिन नहाँ । । उपन व्याधार वृक्ष रहेड जेवर । मोनीयर स्थितिय शक्ष्म वृत्र । । जो लिए क्षि वृद्ध का विस्तृ व्याधार । जो क्षाम वर्ष जन्म वर्ग । व्याधार नाम व्यवस्थ व्याधार व्याधार क्षाम वर्ष जन्म वर्ग ।

া সাতঃ মালোগর বিতর। শশুনাং ক্রিভিভলত পূটা প্রাথী কুন্তুগু বিষয়সূপ সাবাদিও মন্তৃৎ । ইদানা মধানং ক্রিট্র সম্ব ওংক্রে যুক্ত মলোকা ডিজয়া; ক্রিমণি বার চেত্রসায়তি । ১৬

निक त्वरमाञ्चि । जा शताथ पिरक्ररक न ॥

ি বস্ততি চরদ পশু রাজার অগ্নেতে। যাস্ত্রী হোলাজারা ব বাকা পলিতে। এতো কাল গেলো মন বর প করিছে । বিশ प्रात मृथ बाद्यालान्याम् क्तिरुक्त अथन विष्य स्था हुन एक न रित्र रिक्कास व्यवस्थान व्यवस्थान स्थान स्

र्चितः निर्मातिक्तमः वृक्तिका योगन वीशः भाष्ट्रकाषः निर्देशः। । जनमञ्ज्ञाक नृक्तिभूद्रकाम् अक्षाताश्चानम् कः क्ष्मद्रश्चाक्तिकः कार्

পূৰ্বৰ । প্ৰদান চ্ছাত প্ৰচাহত কল্লিক সূৰ্বৰ নিয়ে ছিলো সাম মন সামালিক । নিয়ে সামাল মন পূলিত বেৰিব। তথ্য লামাল কৰা নাইক ছেমন। প্ৰথম স্থানাল মন সমল ছিলালে। লোকত সি পাইলাক্ লি য নাগেৱে ।

দিশোনার। পার কর ক্রের যেনাঃ পুন্রিন; সমাধ নং বি নিমা শারন মার। সুল্লাপানত। ক্রিডে এ মামান্ত মান স্বায় স্থে রভি মতত ভবিসভা ব্যাপ্ত পরস্পরিভোগো পতিভার ভাল বৈরাগ্য ধ্যা পুর্থনা করিভেছেন ।

मिक नव दक्ष करव कल कल शास मिन में करके शिक्ष भीन में श करव रेमक ११ माइ १३ कहेरद मुक्त लाता में शिक्ष १ करद मन नर शृक्ष कहेरद अनकत ११ भरद मरम शास आमि आहम शिक्षिक । क रत ममन कि करद मरमह वाक्षिक ॥

ক্দ।ভিজা ভটকে। কর কলি জনা কাৰু গতরবৈঃ পার্টারং মে আন্ত্রাপর জনমত্তেলিরস্থত। ক্যাকুজ ব্যাম্থির জনুজ্যারত শিংগাঃ পাজ্পয়ান। ছানু ভূমত্তধারঃ জন্মির্সি।। ১১ ्रिक्ति । जिल्लाम कालन प्रश्निति श्रामनीत । भान ्रिक्ति । काल प्रति प्रामनित । अकल (हन्म्यूमा) करव पत्र कित । काल भाव मध्ये करेंद्र (म भावित ॥ दन्म भिन्ना सुक्क विद्या करव सम काल । बी सकुरम भक्तिय स मक्टक विनास ।

পকাতীরে হিম্পিরী শিলা পদানন্য বুৰজানাতালন বিশিনা যোগনিচাং গভদা । মিকৈছাব্যা নম স্মিবলৈয়ত্তি নিমিশকাং সংগ্রাপ শসতে জঠর হরিমাগাত্ত কণ্ড, বিনোদ্ণ।

পূর্মবদ্ধ। গভাতীরে হিমাল। প্রবন্ধ উপরে । যোগাসনে বলি কবে ভাবির ঈদরে । রোগাসনে বুলজোনে যোগ নিদ্ধ ববি । এফন যে শুলদিন কেবলে পাইন ।। থাকিব প্রকাশনে স্বমানি যাগেতে। প্রবীণ হরিও গণ আলি নিকটেতে।। আমার অভেতে ভারা প্রবন্ধ ভূমেতে।। গাল কথু নিবারণ

कडिएन मृद्यंद्वा । अविभिन्न कामक विकास अधिकारिक व

ুখ্যাত ওরক এখাদ্ভজর থাকিছার গলস্যা ধর্ণিঃ সংগ্রাসক্ষ সকৌত কঞ্চন কৃপথ দুক্তিলাতে লাগারং । নির্মালী কৃত্তি থাবার স্বুদারিদা আন্দানে কিং লাগারুকত হৈ ক্ষাক্তর পূর্ণ। তিকা বিলুধি ধ্যাতা দ্বাস্থ

ুল্ক ।। তে জাকোনা লাবে পৰে চলেবাৰো কৰে : सब দেখি প্ৰতিবাহ তব উপাদ্ধি ।। নগত বাদীলোকেতে দেখি। হাসিৰে। কৰে ক্লিপ্তবালি যথ অক্লে ধুলিধিৰে ।। শুক্পট क्ष नद्रम वार्तिक इत्य । श्रयानक मृ ঘুমারে। ভিকার ভোজন কালে সাসি নির্ময়েতে। থাবে পঞ্চিপ্তৰ কৰে মম হাতে । बर्गाकिका राष्ट्रांन क्यमणाटि विद्यद्यास्या विक প্রচাতিলক্ষ্মাক্তবর্গি করে নিমোমানহে ৷ অপ্যাক্তে বিনা শিভোগবিষয়া ভোগেয় ভূটা ৰবে বস্তুৰ্যাঃ প্লিনেপর হরি भप गामि बदमावाङ्गि ॥ ३०२ श्वरद्धत बोका बाज कतियां कहिरछए न ॥ त्रमनीत का मय कान या नाहे। त दिख वितक मय জালিলাকে ভাই॥ কৰেক বৰেতে আমি থাকিতে না চাৰি। ভোগ ফরাইলে পুন হৈতে হবে মেহি ৷৷ অমিতা বিষয় ভোল व क्षा नाहि कति । वर्षे वाका क्षा शर्द नमा कार्व वृतिना माठमारा इशीनी समस्य दिश्विकारकाम वानदर्शन-खनल खनला त्यस पोट्यां नित्यात्रः । मत्या नको नगर वहन छने शका श्रवाह गामिश्राचां प्रमंति मनति वक्तपुक्ष व्यामि।। মানা মোন ছমতি পছতি মকলকে কহিতেছেন ।। ওগোমাতা যায়া শুন ভগিনা ক্ষমতি ৷ ওহে পিতা মোহ ন্তমি শুনহ সংগ্ৰতি ।।জান্ত হবে সকলেতে করোনাহি খেন না হবে নিজন আর ষ্ট্রক বিছেদ ।। জীকক চরন খুট গল। ज्ञान राज । शांन स्कृति नया राज्य त्निक अवस्थान। नहर 'व कानि कवर्कि नरह याज्ञित छत छति (सायना

बहमन नह क्रोहि निम्नः । बादा त्क्राप वानावत मन्त्रताख क्रानंत्रच वित्नाकीनारकामध्यनति मनिस्तरता हतित्रस्तो ५०

কাৰ কোঁও শংকার তবি যথা (খাবে আৰা) ওচে মোহ নম হান হইতে শুলাও। আমার ও বেহ নহে বেহেগ্র

আকার । ওচে বলকোৰ ত্রনি যাও খানাবর ।। আকার মনে তে বাল করিলা এখন। ত্রীলোকের নাথ হরি বুল স্নাতন।।

মাতবোদিনি মিত্র নামত দংগ জেটিতঃ সুবলো জলতাত ব্যামনিবন্দ এব তবতা মন্ত "প্রনামাঞ্চলিল। ফলাং। স্কর্মণা পজাত সুস্তোদেক অুবনিয়াল জ্ঞানাপা তম্মত বোর্মহিয়া। প্রাচন পরে বজনি ॥ ১০৬ ০

পৃথিবী জল তেজ বায় আকাশ এই পঞ্চলনকে কলিছেছেন।

নাতার পৃথিবী শুন মির কে প্রনা। শুন জ্যোভি দূপা শুরু সল্বক্তন। শুন তাই লাকাশ লামার নিলেমন। ক্তা গুলি নতি করি কর্ত এইন। তোমাদের সঞ্জেতে জ্মিলো পুরোদর। তাহাতে নিম্নল জ্ঞান শুরুতি মোর হয় ॥ দুরে গেলো মোহ সর যেই জ্ঞান হৈতে । সংগ্রাভ ইইব লীন

পরম বৃদ্ধতে ॥ ভোশানামানদ

প্রশানামান্ত্র মনোরখ জলা ত্রণ তরভারতা থাক বর্তস্থ্রা একটিতা থোওত চিছাকটা । রাগ প্রথাবতী বিতকাবভাগাইবেট্যা ঘ্যাধং মিনা অন্যাপ্র গ্রামিপ্রস্থাবিদ্যা ঘ্যাধং বিনা

计。 中国 2 所以 同 10000 14

পালিতনাট

বাশাবিদ বিনী মৈতি প্রকার ভাগা বি প্রারিয়া কলিতছেন ।।

অলা নাচন মদা ভাহে নামের মালল। ক্লাবিশা ভরতেতে
লর্মদারিকেল ।। মোহের লাবর্ম ভাহে কে হইবে পার। কতি ল রা উভচিতা স্থান প্রভা রাগা লগা করার ভালিছে কেশ ভা রা বি তর্ম প্রবাশ পজা ম্বারে কেপার ।। বৈশ্ নাগা বৃদ্ধ দেইছা ক্লেনিরবিধি বিভই দ্যারি লেই আশা লগা নদা ।। তলোবলে ধ্যাপ্রিগ্র ব্যক্তি পার হয়ে । স্বর্মদা জানতক জাতে ব্যর

পদ পোরে । বিকাশ করে বিদ্যান কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম করিছে।
বিদ্যান পদ সারাধ্যতাই বিদ্যান ১০৭ বা বিভাগ

আপনার পাতিতে বছাপি মন যার । যহাপি কাহারো মতি পদে রভি গায়। মহাপি এড়াবে ভাই ভবের বাজনা সিহুম মিজের পদ কর আরাধনা ॥ চতর্জা পরিকেনঃ সমান্ত

ইতি মূল শাভিশতকা গ্ৰহ সমাধঃ।।

এই কেতাৰ সিম্লিয়ার বিলু বাসিনী বছে মুঘাঙ্কিত হইল ইতি সম সংধ্যালি তাং ২৮ কাত্তিক।।

যাহার এই পূত্তক হরকার হইবেক তিনি উক্ত সাকিনের ইযুত নার্ লোক্ষন ভড়জী মহালরের ২২ সমর ভবনে তও করিলে পাইবেন ইতি